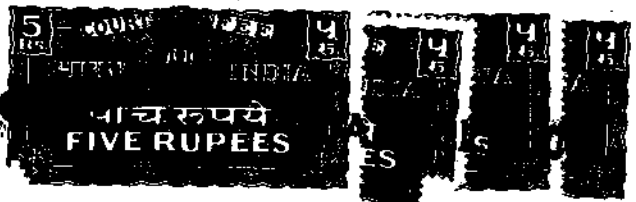


222



27-11-2004
27-11-2004
दिनांक 16-12-04

न्यायालय समक्ष श्रीमान सदस्य, राजस्व मंडल 40 प्रो ग्वालियर, केम्प सागर ।

R-1716-II/2004

श्रीमति सरोजरानी विधवा सुलायमचन्द जैन

पेशा काश्तकारो, साकिन मेनवार, तहसील बटियागढ, जिला दमोह,

रिस्ता 01 आवेदिका

बनाम

उत्तमचन्द वल्द बाबूलाल जैन,

श्रीमति सुमतरानी विधवा लक्ष्मीचन्द जैन,

साकिनान मेनवार, तहसील बटियागढ जिला दमोह

अपी 01 अनावेदकगण

राजस्व पुनरीक्षण क्रमांक

104, 05

पुनरीक्षण तरफ से रिस्ता 01 आवेदिका अन्तर्गत धारा

50 40 प्रो लेण्ड रेवेन्यू कोड 1959

रिस्ता 0-आवेदिका आदेश दिनांक 20-8-04 पारित द्वारा श्रीमान एडोशनल कमिश्नर, सागर संभाग सागर, उत्तमचन्द एवं श्रीमति सुमतरानी बनाम श्रीमति सरोजरानी । ता 0 फैसला 20-8-04 जिसके द्वारा विद्वान एडोशनल कमिश्नर सागर संभाग सागर समवर्ती तथ्यात्मक निष्कर्षों *Concurrent findings of facts* को निरस्त करते हुए प्रथम राजस्व अपील नं 283/27 तन् 2000, 2001 अदालत

श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी हटा उत्तमचन्द एवं अन्य बनाम श्रीमति सरोजरानी । ता 0 फैसला 11-9-01 एवं मूल राजस्व प्रकरण क्रमांक 13/27 तन् 2000 2001 अदालत श्रीमान नायब तह 0 बटियागढ । श्रीमति सरोजरानी बनाम उत्तमचन्द एवं अन्य । ता 0 फैसला 6-12-2000 को *Concurrent-Orders* रद्द कर दिया व प्रकरण प्रत्यावर्तित कर दिया के विरुद्ध अनन्य आधारों के अलावा निम्नलिखित आधारों पर पुनरीक्षण प्रस्तुत करती है ।

111 यह कि प्रश्नाधीन आदेश दिनांक 20-8-04 का सर्वथा गैरकाजुनी, अनुचित एवं निराधार है तथा वह निस्त किया जाकर अधिनस्थ दोनों न्यायालयों याने एम 0 डी 0 ओ 0 हटा तथा ना 0 तह 0 बटियागढ के समवर्ती निष्कर्ष *Concurrent findings of both the lower Courts* को स्थिर रखे जाने योग्य है ।

121 यह कि माननीय बोर्ड आफ रेवेन्यू ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि तथ्यात्मक समवर्ती निष्कर्षों को द्वितीय अपील में न्यायालय को निरस्त नहीं करना चाहिए । *यों* क्रम सिद्धांत रा 0 नि 0 1984 पेज 36, 343 250 रे 0 नि 0 1982 पेज 142, 263, 413, रे 0 नि 0 1990 पेज 139, 1987 रे 0

27-11-2004
सागर संभाग
सागर

Handwritten signature

Handwritten notes

Handwritten signature and initials

